DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY
Accredited with B+ Grade by NAAC
Kargi Road, Kota, Dist.-Bilaspur (C.G.)
Ph. : 07753-253 801 Fax : 07753-253728
e-mail : info@cvru.ac.in, visit us at : www.cvru.ac.in

क्र.115 / कु.स. / सी.वी.आर.यू. / 2020

बिलासपुर, दिनांक : 06.07.2020

प्रति,

अध्यक्ष महोदय,
छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग,
छत्तीसगढ़ शासन,
रायपुर (छ.ग.)

विषय :– डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय का माह जून – 2020 का मासिक प्रगति प्रतिवेदन।

आदरणीय महोदय,

उपरोक्त विषयांतर्गत, डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय द्वारा माह जून – 2020 का मासिक प्रतिवेदन प्रेषित किया जा रहा है।

सादर,

कुलसचिव

डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय

करगीरोड कोटा, बिलासपुर (छ.ग.)

मासिक प्रगति पत्रक

माह :– जून – 2020

01	विश्वविद्यालय का नाम एवं स्थापना वर्ष।	डॉ. सी. वी. रामन् वि. वि., स्थापना वर्ष नवम्बर 2006,
02	विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी।	फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालॉजी बी. ई. (कम्प्यूटर साईंस) बी. ई. (इन्फार्मेशन टेक्नालॉजी) बी. ई. (इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्यूनिकेशन) बी. ई. (इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स) बी. ई. (इलेक्ट्रिकल) बी. ई. (मेकनिकल) बी. ई. (सिविल) एम. टेक. (कम्प्यूटर साईंस) एम. टेक. (डिजीटल कम्यूनिकेशन) एम. टेक. (प्रोडक्शन इंजी.) एम. टेक. (पावर सिस्टम) एम. टेक. (साफटवेयर इंजी.) एम. टेक. (वी.एल.एस.आई.) डिप्लोमा (सिविल इंजी.) डिप्लोमा (कम्प्यूटर साईंस) डिप्लोमा (ईई) डिप्लोमा (मेकनिकल इंजी.) फैकल्टी ऑफ एजुकेशन बैचलर ऑफ एजुकेशन (बी. एड.) मास्टर ऑफ एजुकेशन (एम. एड.) बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एण्ड स्पोर्टस (बी.पी.ई.एस.) मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एण्ड स्पोर्टस (एम.पी.ई.एस.) मास्टर ऑफ फिलॉसॉफी (विभिन्न पाठ्यक्रमों में संचालित) फैकल्टी ऑफ वाणिज्य एवं प्रबंधन

		बैचलर ऑफ कामर्स (बी. काम.) मास्टर ऑफ कामर्स (एम. काम.) मास्टर ऑफ बिजिनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम. बी.ए.) बैचलर ऑफ बिजिनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बी. बी.ए.) फैकल्टी ऑफ इन्फार्मेशन टेक्नालॉजी एम एस सी (आई. टी.) (मास्टर ऑफ इन्फारमेशन टेक्नोलॉजी) पीजीडीसीए (पोस्ट ग्रेज्युएट डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन) बी.सी.ए. (बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन) डी.सी.ए. (डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन) बी.एस.सी. (कम्प्यूटर साईंस) एम.एस.सी. (कम्प्यूटर साईंस) एम.एस.सी. (आई. टी.) फैकल्टी ऑफ आर्ट्स बी. ए. (बैचलर ऑफ आर्ट्स) एम. ए. (मास्टर ऑफ आर्ट्स) बी. लिब. एम. लिब. एम. एस. डब्ल्यू. फैकल्टी ऑफ जरनेलिज्म एण्ड मास कामुनिकेशन बी. जे. एम. सी. एम. जे. एम. सी. फैकल्टी ऑफ साईंस बी. एस. सी. (जीव.) बी. एस. सी. (गणित) बी. एस. सी. (कम्प्यूटर साईंस) एम. एस. सी. (गणित) एम. एस. सी. (भौतिकी) एम. एस. सी. (प्राणी शास्त्र) एम. एस. सी. (वनस्पति शास्त्र) एम. एस. सी. (रसायन) एम. एस. सी. (सूक्ष्म जीव विज्ञान) एम. एस. सी. (जैव प्रौद्योगिकी) एम. एस. सी. (ग्रामीण प्रौद्योगिकी) फैकल्टी ऑफ लॉ बी.ए.एल.एल.बी

		एल.एल.बी. एल.एल.एम. शोध पाठ्यक्रम दूरवर्ती शिक्षा के पाठ्यक्रम
03	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिए संबंधित विनियामक इकाईयों के द्वारा सक्षम अनुमति प्राप्त कर ली गई है? यदि हां, तो तत्संबंधी आदेश की छायाप्रति।	हॉ, विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिये संबंधित विनियामक इकाईयों के द्वारा सक्षम अनुमति प्राप्त कर ली गई है। तत्संबंधी आदेश की छायाप्रति पूर्व में प्रेषित की जा चुकी है।
04	विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधाएं (भवन, प्रयोगशाला, ग्रंथालय, खेल मैदान, फर्नीचर, उपकरण एवं अन्य सुविधायें।)	विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधायें पर्याप्त है।
05	क्या विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधायें संचालित पाठ्यक्रमों के अनुरूप हैं?	उपलब्ध मूलभूत सुविधाएं, पाठ्यक्रमों के अनुरूप है। नए उपकरणों का क्रय किया जा चुका है। नया फर्नीचर एवं लाईब्रेरी के लिये पुस्तकों इत्यादि का क्रय भी किया जा चुका है।
06	विश्वविद्यालय में कार्यरत् अधिकारियों की जानकारी।	विश्वविद्यालय में 31 विभाग संचालित है, जिसमें शिक्षक एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति नियमानुसार मापदण्डों के आधार पर एवं योग्यता के अनुरूप की जाती है।
07	विश्वविद्यालय में कार्यरत् शिक्षक।	विश्वविद्यालय में 31 विभाग संचालित है, जिसमे शिक्षक एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति नियमानुसार मापदण्डों के आधार पर एवं योग्यता के अनुरूप की जाती है। विभाग में छात्र–छात्राओं की संख्या के आधार पर शिक्षकों एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति की गई है।
08	क्या विश्वविद्यालय में कार्यरत् शिक्षकों की योग्यता एवं अनुभव निर्धारित मापदंडों के अनुरूप है?	शिक्षकों की नियुक्ति नियमानुसार की गई है एवं मापदंडो के अनुरूप है।
09	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिए शिक्षकों की संख्या मापदंडों के अनुरूप है ?	शिक्षकों की संख्या मापदंडों के अनुरूप है, एवं छात्रों की संख्या के अनुसार है।

10	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम के लिए परिनियम/अध्यादेश का अनुमोदन प्राप्त किया गया है? यदि हां, तो उसका विवरण।	परिनियम एवं अध्यादेश विधिवत् अनुमोदित है एवं माननीय आयोग को प्रेषित किया जा चुका है। विश्वविद्यालय के परिनियम के आधार पर निम्न ईकाइयों का गठन किया गया है, जिसमें अंतर्गत शासी निकाय, प्रबंध मंडल एवं अकाद्मिक कांऊसिल का गठन किया गया है, जिसमें प्रबंध मंडल द्वारा समय–समय पर पाठ्यक्रमों में परिवर्तन कर अपग्रेड किया जाता है, तथा उच्च कोटि के लैब, लाईब्रेरी का निर्माण पाठ्यक्रमानुसार किया गया है। प्रबंध मंड़ल द्वारा समय–समय पर शोध कार्य हेतु सेमीनार, वर्कशाप एवं फेकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम भी किया जाता है।
11	क्या विनियामक आयोग/शासन के द्वारा निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया गया है? यदि हां, तो निरीक्षण में पाई गई कमियां तथा कमियों को दूर करने के लिये विश्वविद्यालय को दिये गये निर्देश, क्या विश्वविद्यालय द्वारा शासन/विनियामक आयोग के निर्देशों का पालन किया गया है?	हॉ, माननीय आयोग के द्वारा विश्वविद्यालय का निरीक्षण दिनांक 23.02.2018 को किया गया था। माननीय आयोग के निर्देशों का पालन नियमानुसार किया जा रहा है।
12	विश्वविद्यालय की वित्तीय स्थिति पर संक्षिप्त प्रतिवेदन।	विश्वविद्यालय द्वारा समस्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश नियमानुसार एवं अध्यादेशों के अनुरूप प्रवेशित छात्र–छात्राओं द्वारा दी गई शुल्क द्वारा विश्वविद्यालय में अलग–अलग विभागों के लिये भवन, प्रयोशालाओं का निर्माण एवं उच्च कोटि के आधुनिक उपकरणों का क्रय, समस्त विभाग के अधिकारीगण, शिक्षणगण एवं कर्मचारियों के लिये फर्नीचर, ग्रंथालय में विभागानुसार पुस्तकों का क्रय एवं ग्रंथालय में छात्र–छात्राओं के लिये अध्ययन करने के लिये उच्च कोटि की व्यवस्था मापदण्डों के अनुरूप, आवागमन साधन एवं अन्य सुविधाओं की पूर्ति की

		जा रही है। वर्तमान में विश्वविद्यालय द्वारा बैंक ऑफ इंडिया द्वारा भी ऋण लिया गया है, विश्वविद्यालय की पितृ संस्था द्वारा भी विश्वविद्यालय को समय–समय पर आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाता है। विश्वविद्यालय की वित्तीय स्थिति नियमानुसार नियमित रूप से है।
13	छात्रों से विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए, लिये जाने वाले शुल्क की जानकारी।	छात्रों से विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए, लिये जाने वाले शुल्क की जानकारी पूर्व में प्रेषित की जा चुकी है।
14	क्या शिक्षण शुल्क के अतिरिक्त अन्य शुल्क विद्यार्थियों से लिये जाते हैं? यदि हां तो उसका औचित्य।	अध्यादेशों के अनुकूल ही शुल्क लिया जाता है, अतिरिक्त शुल्क का कोई प्रावधान नहीं है।
15	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम यूजीसी, एआईसीटीई या अन्य विनियामक इकाईयों के मार्गदर्शक बिन्दुओं के अनुरूप हैं?	विश्वविद्यालय के समस्त पाठ्यक्रम यूजीसी की सूची (22) के अनुरूप है तथा एआईसीटीई, एनसीटीई या अन्य विनियामक इकाईयों के अनुसार है एवं अनुमोदित है, जिसका निरीक्षण संबंधित इकाईयों द्वारा तथा आयोग द्वारा किया जा चुका है।
16	विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियां।	– डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय में कोरोनो वायरस के संक्रमण को देखते हुये नियमित एवं दूरस्थ शिक्षा दोनों मोड पर लॉक डाउन (मार्च) में ही ऑनलाईन कक्षायें शुरू कर दी गई थी। – डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों ने कोरोना वायरस संक्रमण की रोकथाम के लिये मुख्यमंत्री राहत कोष में अपने एक दिन का वेतन आर्थिक सहयोग, कुलसचिव महोदय द्वारा जिलाधीश महोदय को 05 लाख का चेक सौंपा गया। – डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय

		में नियमित एवं दूरवर्ती की कक्षाओं की पढ़ाई ऑनलाईन होने के बाद अब ऑनलाईन प्लेसमेंट की प्रक्रिया अप्रैल में शुरू कर दी गई थी। इसमें इनवेस्टोश्रूोर, आर–1 आसीएम ग्लोबल, स्टार सॉल्यूशन, कोलेब्रा, टाटा मोटर्स सहित आठ मल्टीनेशनल कंपनियों ने भाग लिया। – कोरोना वायरस के संक्रमण के संकट के समय डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय सामाजिक सरोकार में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, उन्नत भारत अभियान के तहत कोटा अंचल के 05 गोद ग्रामों में विश्वविद्यालय ने मास्क, सेनिटाईजर और आवश्यक दवायें बांटी है। इसके साथ लोगों के बीच जागरूकता अभियान चला कर कोरोना वायरस से संक्रमण से बचने के लिये समझाईस भी दी जा रही है। एनएसएस एवं एनसीसी के विद्यार्थी सोशल मीडिया के माध्यम से कोरोना संक्रमण से से बचाव और जागरूकता का संदेश दिया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर रेडियो रामन् 90.4 में कोरोना संक्रमण को लेकर विश्वविद्यालय प्रबंधन, जिला प्रशासन और चिकित्सकों के संदेश और जागरूकता बचाव के कार्यक्रम भी प्रसारित किया जा रहा है। – डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय में सत्र 2020 के पीएचडी शोधार्थियों के कोर्स वर्क की ऑनलाईन कक्षायें 11 मई से प्रारंभ हो गई थी, यह प्री–पीएचडी कोर्स वर्क का एक सेमेस्टर होता है इसके साथ ही

		पीएचडी और एमफिल के मौखिक परीक्षायें और प्रेजेंटेशन भी ऑनलाईन किये गये है। – डॉ. सी. रामन् विश्वविद्यालय ऑनलाईन शैक्षणिक गतिविधियां जारी है। विश्वविद्यालय में रसायन विभाग द्वारा पर्यावरण दिवस पर 05 जून से 11 जून तक पर्यावरण चेतना और कोविड–19 के लॉकडाउन प्रभाव पर ऑनलाईन राष्ट्रीय प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया था, जिसमें पूरे देश के हजारों विद्यार्थी, शोधार्थी और प्राध्यापकों ने हिस्सा लिया। रसायन विभाग द्वारा 15 से 17 जून तक तीन दिवसीय ऑनलाईन राष्ट्रीय कार्यशाला का भी आयोजन किया गया था। विश्वविद्यालय के ईसीई विभाग द्वारा आटोमैटिक सैनेटाईजर मशीन भी तैयार किया गया है, विश्वविद्यालय में सैनिटाईज मशीन का उपयोग किया जा रहा है। डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय के रसायन विभाग द्वारा 05 जून पर्यावरण दिवस पर 07 दिवसीय ऑनलाईन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई थीं पर्यावरण चेतना और कोविड– 19 लॉकडाउन विषय पर कई प्श्न किये गये, जिसमें देश भर के 05 हजार से भी अधिक शोधार्थियों, विद्यार्थियों, प्राध्यापकों और उद्योगों से जुड़े लोगों ने भाग लिया। पर्यावरण और कोविड–19 के विषय में अनेक महत्वपूर्ण सवालों के जवाब हजारों विद्यार्थियों ने दिये । – डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय में नये सत्र के लिये ऑनलाईन

		प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। विद्यार्थी वेबसाईट पर जानकारी लेकर ऑनलाईन प्रवेश ले सकते है। – सत्र 2019–20 की शैक्षणिक गतिविधियॉं एवं प्रशासनिक गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित करना। नवीन पाठ्यक्रमों के अनुरूप संसाधनों का निर्माण करना।
17	विश्वविद्यालय के संचालन में आने वाली प्रशासनिक, अकाद्मिक एवं अन्य कठिनाईयों की जानकारी।	– GAD के Circular में अभी तक विश्वविद्यालय का नाम समस्त विश्वविद्यालयों की सूची में शामिल नहीं किया गया है।

कुलसचिव